

## राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 30 मार्च, 1983

**क्रमांक 176-ज(I)-83/11004.**—श्री रामजी लाल, पुत्र श्री नत्यन, गांव लोहटको, तहसील व जिला गुडगांवा, की दिनांक 13 दिसम्बर, 1979 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रामजी लाल को मुद्दिल 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 3037-जे०-एन०-III-66/6684, तथा दिनांक 19 अप्रैल, 1966, अधिसूचना क्रमांक 5041-आर.-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मन्त्रजूर की गई थी, प्रद उसकी विवरण श्रीमती सरूपी देवी के नाम खरीक, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 20, अप्रैल 1983

**क्रमांक 294-ज(I)-83/13204.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती राधा कौर, विधवा श्री शेर सिंह, गांव डेरा सलेमपुर, तहसील व जिला अमृताला, को खरीक, 1975 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 295-ज(I)-83/13211.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के अनुसार सौपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्री वाला राम, पुत्र श्री काला, निवासी मौजूदार, लाईन अमृताला, तहसील व जिला अमृताला, को रबी, 1973 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 29 अप्रैल, 1983

**क्रमांक 460-ज(II)-83/13935.**—श्री रतन सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह, गांव खरैमपुर, तहसील व जिला हिसार, की दिनांक 6 मई, 1982, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रतन सिंह को मुद्दिल 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 532-ज.-I-79/16895, दिनांक 9 अप्रैल, 1979 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अप्रैल, 1977, द्वारा मन्त्रजूर की गई थी, अब उस की विधवा श्रीमती सुरजा के नाम खरीक, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 3 मई, 1983

**क्रमांक 494-ज(II)-83/14290.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के अनुसार सौपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री ईश्वर सिंह, पुत्र श्री गंगा राम, गांव डाणा खुं, तहसील हांसी, जिला हिसार, को खरीक, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीक, 1970 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दी. आर. तूली,  
सचिव, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग।